RNI No.: RAJHIN/ 2014 / 65130

राजस्थान नेत्र ज्योति

वर्ष : 12 अंक : 2 अप्रैल – जून 2026

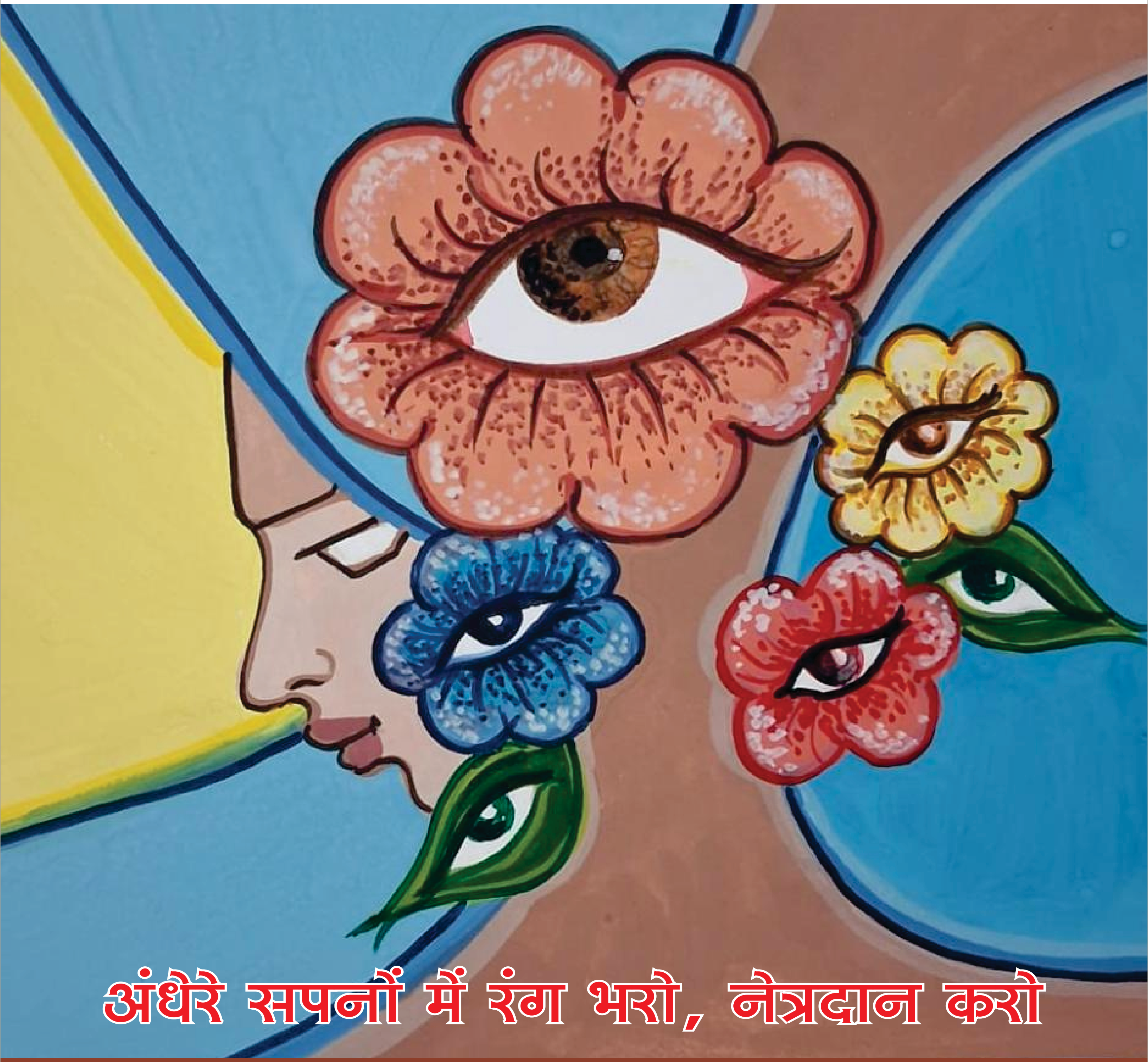

अंधेरे सपनों में रंग भरो, नेत्रदान करो

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

सम्पादकीय

'मेरे जाने के बाद मेरी आंखें किसी और को दे दी जाए 'यह एक ऐसा निर्णय है, जो किसी का जीवन बदल सकता है। आंखों ने अनेक रंग देखें है। जीवन समाप्त होने पर यह आंखें हमारे किसी काम की नहीं रहेंगी, लेकिन किसी का नेत्रदान का निर्णय दो से अधिक लोगों के जीवन को प्रकाशमय बना सकता है। इसके लिए बच्चों से, युवाओं से, परिवारजन, पड़ोसी, मित्रों, रिश्तेदारों सभी से यह बात निरंतर करनी होगी कि नेत्रदान का वे जीवन काल में ही संकल्प लें एवं इसकी जानकारी अपने परिवार को भी दें ।

नेत्रदान की मुहिम को शहरों तक ही सीमित नहीं रखते हुए ग्रामीण क्षेत्र तक विस्तार देने के लिए हमारा आई बैंक काम प्रारंभ कर चुका है। नेत्र जांच शिविरों के माध्यम से ग्राम वासियों को नेत्रों की देखभाल, रोग की पहचान एवं सही इलाज हेतु उचित परामर्श दिया जा रहा है। रेनवाल मांझी गांव मे आयोजित नेत्र जांच शिविर में लगभग 250 जने जांच के लिए उपस्थित हुए। ऐसे कैम्पों में लोगों को बातचीत के माध्यम से एवं फिल्म दिखाकर नेत्रों की देखभाल की बात समझाने के साथ ही, नेत्रदान के विभिन्न पक्षों के बारे में भी जानकारी दी जाती है। उनके मन की शंकाओं एवं भ्रांतियों का निवारण करते हुए, उन्हें प्रेरित किया जाता है कि मृत्यु के बाद नेत्रदान कर लोगों के जीवन में रोशनी देना सबसे बड़ा दान एवं पुण्य का कार्य है। मृत्यु के बाद भी आपके प्रियजन की आंखे किसी और के माध्यम से दुनिया देख सकती है।

जीवन में यदि कोई चीज स्थिर है तो वह है बदलाव। कभी बदलाव अच्छे होते हैं तो कभी विरोधाभासी। किंतु बदलाव जीवन का ही हिस्सा है । ईबीएसआर ने भी ऐसे अनेक बदलाव अपने प्रारंभ काल से आज तक देखे हैं और इन बदलाव को बिना किसी विरोध के सकारात्मक रूप में स्वीकार भी किए हैं। विभिन्न उतार चढ़ाव को पार करते हुए आज हम कॉर्निया यूटिलाइजेशन रेट में देश के अनेक आई बैंक्स के मुकाबले ऊंचे स्थान पर है।

निरंतर जागरूकता कर्यक्रमों के आयोजन एवं नेत्रदान के प्रति लोगों में बढ़ रही रूचि के कारण कॉर्निया कलेक्शन भी बढ़ रहा है। नेत्रदान के लिए वॉलंटरी काल्स भी निरन्तर बढ़ रही है। कॉर्निया ट्रांसप्लांटेशन के लिए वेटिंग लिस्ट लंबी होने के बावजूद राजकीय अस्पतालों में केरेटोप्लासटी करने वाले डॉक्टर्स की संख्या बहुत कम है। कार्निया का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने एवं लोगों के दान का सम्मान करते हुए, हमें बहुत ही पीड़ा एवं भारी मन से यहां एकत्रित कॉर्निया सेंट्रल डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के माध्यम से अन्य राज्यों में भिजवाने पढ़ रहे हैं ।

लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया के कारण प्राइवेट अस्पताल को भी होटा सर्टिफिकेट लम्बे समय तक नहीं मिल पाता, जिसके कारण वहां भी नेत्र प्रत्यारोपण का कार्य नहीं हो पा रहा। कुछ ही हॉस्पिटल यह कार्य कर पा रहे हैं। जब तक राज्य सरकार के स्तर पर इस सम्बन्ध में प्राथमिकता के साथ उचित आदेश प्रसारित नहीं किए जाएंगे, तब तक अंधता निवारण के इस मिशन को सफलता नहीं मिल पाएगी। हमारा निश्चय है कि परिस्थितियाँ कितनी भी प्रतिकूल हो, लक्ष्य अधूरा नहीं छोड़ना है ।

आपकी आंखें, किसी का नया सवेरा बन सकती है

उषा बापना
संपादक

अध्यक्ष की कलम से

प्रिय मित्रों,

मुझे अत्यंत हर्ष है कि मैं आप सबके साथ हमारी त्रैमासिक पत्रिका नेत्र ज्योति का अगला अंक साझा कर रहा हूँ। पिछले अंक में मैंने उल्लेख किया था कि हमने अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन की सहायता से एक नया प्रकल्प प्रारंभ किया है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि यह कार्यक्रम पूरी गंभीरता से प्रारंभ हो चुका है। नेत्र स्वास्थ्य शिविर उन क्षेत्रों में लोगों को आकर्षित कर रहे हैं जहाँ अब तक हमारी पहुँच नहीं थी। हमारे विशेषज्ञों की टीम नवीनतम उपकरणों से पूर्ण नेत्र परीक्षण करती है, आवश्यक औषधियाँ लिखती है, ज़रूरतमंदों को चश्मे प्रदान करती है तथा आगे के उपचार हेतु परामर्श भी देती है। इसी अवसर का उपयोग हम फ़िल्मों के प्रदर्शन, वार्ताओं आदि के माध्यम से लोगों को प्रेरित करने में करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अनेक लोग नेत्रदान प्रतिज्ञा पत्र भरते हैं। ऐसे शिविरों में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति सदैव हृदय को आनंदित करती है।

इस तिमाही में हमारी कॉर्निया संग्रहण की गति सामान्य मानक के अनुरूप नहीं रही, जिसके कारण प्रत्यारोपण योग्य कॉर्निया की संख्या अपेक्षाकृत कम रही। तथापि, संतोषजनक तथ्य यह है कि हमने अपने उपयोग दर में सुधार किया है, जो अब लगभग 80 से 85 प्रतिशत तक पहुँच गया है। इस प्रकार, कम कॉर्निया होने पर भी दृष्टि पुनर्स्थापन हेतु अधिक कॉर्निया उपलब्ध हो सके।

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस स्वस्थ वृद्धावस्था हेतु योग विषय पर मनाया गया। इस वर्ष, ईबीएसआर ने वैशाली सर्किल स्थित नर्सरी पार्क योग परिवार समूह के साथ सहयोग किया। यह एक अनूठा अनुभव था जहाँ 300 से अधिक लोगों ने भाग लेकर स्वस्थ वृद्धावस्था को नया अर्थ दिया और नियमित रूप से नेत्रदान का समर्थन करने का संकल्प लिया। नर्सरी पार्क योग परिवार का हार्दिक धन्यवाद।

एक विशेष कार्यशाला एचसीएम रीपा में आयोजित हुई, जहाँ ईबीएसआर टीम ने राजस्थान राज्य सेवाओंआरएएस, आरपीएस और आरएसीएसके प्रशिक्षुओं से संवाद किया। इससे राज्य स्तरीय अधिकारियों को नेत्रदान के प्रति संवेदनशील बनाने में सहायता मिली, जो भविष्य में विभिन्न स्तरों पर प्रशासन संभालेंगे। कार्यशाला संवादात्मक रही, जिसमें कुछ प्रशिक्षुओं को आँखों पर पट्टी बाँधकर हॉल में चलाया गया। उनके अनुभव साझा करने से स्पष्ट हुआ कि कुछ ही मिनटों की दृष्टिहीनता में वे कितने असहाय महसूस कर रहे थे। यह युवा प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि थी।

इसी प्रकार, जयपुर स्थित आईसीएफएआई विश्वविद्यालय में भी एक संवादात्मक कार्यशाला आयोजित हुई। यहाँ लिबरल आर्ट्स स्कूल के विद्यार्थियों को दृष्टिबाधित व्यक्ति की कठिनाइयों का अनुभव कराया गया, जब उन्हें अपने ही परिसर में आँखों पर पट्टी बाँधकर चलने को कहा गया। उनके अनुभव साझा करना अत्यंत उद्बोधनकारी रहा। साथ ही, एक मनोरंजक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें नेत्रदान पर दिखाई गई फ़िल्मों और दिए गए व्याख्यान के आधार पर उनकी संवेदनशीलता का आकलन किया गया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

हर्ष का विषय है कि हमारे सभी अध्याय भी अधिकाधिक नागरिकों तक पहुँचने के लिए नवीन तरीक़े अपना रहे हैं, ताकि उन्हें नेत्रदान के प्रति जागरूक किया जा सके। यह प्रयास जिला प्रशासन, शैक्षणिक संस्थानों या सामुदायिक नेताओं के माध्यम से किया जा रहा है।

मुझे पूर्ण आशा है कि ये सभी प्रयास भविष्य में फलदायी सिद्ध होंगे। हमें अपने सभी संसाधनों का समुचित उपयोग करना होगा ताकि हम प्रत्यारोपण योग्य कॉर्निया उपलब्ध कराने में कम से कम पिछले वर्ष के स्तर तक पहुँच सकें। अगले तिमाही में हम वार्षिक नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा आयोजित करने जा रहे हैं। आइए, हम सब मिलकर पूरे उत्साह और उमंग के साथ इसे मनाएँ और नए क्षेत्रों को कवर करें।

आप सभी को शुभकामनाएँ।

बी एल शर्मा
अध्यक्ष

A New Chapter in the Fight Against Corneal Blindness

Kapil Garg
Secretary EBSR

EBSR–APF Partnership for Rajasthan (2026–2028)

For more than two decades, the Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR) has been quietly transforming lives by restoring sight and spreading hope. Since its establishment in 2002, EBSR has grown into one of Rajasthan's leading eye banking organisations, building a network of dedicated volunteers, eye donation centres, healthcare professionals and community partners committed to the fight against corneal blindness.

Yet the challenge remains immense. Thousands of people across Rajasthan continue to suffer from avoidable vision loss, particularly in rural and underserved regions where access to eye care services is limited. Recognising both the need and the opportunity to do more, EBSR is now embarking on an exciting new phase of growth and consolidation through the support of the Azim Premji Foundation (APF). The newly approved three-year programme (2026–2028) seeks not only to increase awareness about eye donation but also to strengthen eye health services and build stronger community linkages across the state.

Building on a Strong Foundation

The new initiative builds directly on the success of EBSR's earlier three year partnership with the Azim Premji Philanthropic Initiative (APPI), which began in 2023. That collaboration aligned APPI's vision of supporting disadvantaged communities with EBSR's mission of restoring sight and dignity, and it focused on outreach, network expansion, and infrastructure strengthening.

Through this effort, EBSR carried the message of eye donation into remote villages of Dausa, mobilising Panchayats, schools, hospitals, and NGOs, while also establishing new Eye Collection Centres at Bikaner and Sri Ganganagar and enhancing the Ajmer chapter with additional manpower. These achievements demonstrated the power of partnerships and community engagement, and they now serve as the foundation for EBSR's next phase of development.

The Challenge Ahead

Corneal blindness remains the second leading cause of blindness in India after cataract. While modern corneal transplantation techniques can restore sight to many patients, the availability of donor corneas continues to be a major constraint.

In Rajasthan, large sections of the population still lack access to regular eye examinations, early diagnosis and referral services. At the same time, misconceptions surrounding eye donation continue to limit public participation. Many families remain unaware that a single eye donation can restore sight to more than one individual and transform multiple lives.

EBSR believes that overcoming these challenges requires a comprehensive approach—one that combines awareness, accessibility and institutional strengthening. The new APF-supported programme has therefore been designed to address all three.

A Vision for Stronger Communities

At the heart of the new programme lies a simple belief: lasting change happens when communities become partners in the process.

Over the next three years, EBSR will expand awareness efforts through partnerships with NGOs, educational institutions, local self-government bodies, healthcare providers and community organisations. Interactive workshops, public campaigns and educational activities will encourage citizens to understand the importance of eye donation and become active participants in the movement.

At the same time, EBSR will focus on strengthening its existing network rather than expanding indiscriminately. High-potential centres will receive additional technical and operational support, ensuring better performance, stronger governance and greater sustainability.

The programme will also integrate awareness with service delivery. Communities will benefit from eye screening services, free medicines and spectacles, referrals for cataract and corneal surgeries, and linkages

with government hospitals for advanced treatment. This holistic approach ensures that awareness is translated into meaningful action and improved eye health outcomes.

Taking Eye Care to the Doorstep

Perhaps the most exciting feature of the new initiative is the introduction of a Mobile Community Outreach Programme on Wheels.

Drawing upon the lessons learned during earlier outreach efforts, EBSR plans to deploy a specially equipped Mobile Eye Health Check-up Van to serve rural and semi-urban populations. The van will travel across Jaipur, Ajmer, Beawar, Bhilwara, Bikaner, Jodhpur and Sardarshahar (Churu), bringing essential eye care services directly to communities that often find it difficult to access healthcare facilities.

The mobile unit will provide basic eye examinations, distribute medicines and corrective spectacles, organise awareness sessions on eye donation and refer patients requiring specialised treatment to appropriate healthcare facilities.

More importantly, it will bring EBSR closer to the people it serves, helping build trust, visibility and community participation.

Strengthening Centres, Strengthening Impact

The new programme also focuses on reinforcing key centres that have demonstrated strong potential.

Ajmer and Bikaner, which have shown encouraging performance in eye donation and corneal retrieval activities, will continue to receive support for manpower and operations. Beawar, recently recognised as a separate district, will benefit from dedicated staffing and outreach activities aimed at expanding services to previously underserved areas.

Jodhpur, one of western Rajasthan's most important healthcare hubs, will receive additional technical support to enhance hospital coverage and improve responsiveness to eye donation opportunities. The EBSR–Gandhi Vidya Mandir Eye Collection Centre at Sardarshahar will also be strengthened to further improve community engagement and cornea collection efforts.

Through regular monitoring, supportive supervision and stronger partnerships with hospitals, NGOs and community institutions, EBSR hopes to create a more robust and efficient network capable of meeting future challenges.

Reaching Thousands, Transforming Lives

The scale of the programme is ambitious. Over the three-year period, EBSR plans to organise 72 Eye Health Check-up Camps and 120 Eye Donation Awareness Workshops across the participating districts.

These activities are expected to benefit thousands of individuals through eye examinations, counselling, free medicines, spectacles and referral services. More than 7,000 beneficiaries are expected to receive direct support through the programme.

Beyond the numbers, however, lies the true impact of the initiative—the possibility of restoring sight, independence and dignity to countless individuals and families.

The programme is expected to expand the donor base, improve cornea collection and utilisation rates, strengthen EBSR centres and increase public acceptance of eye donation. Equally important, it will help foster a culture where eye donation is viewed not as an exception but as a natural act of compassion and social responsibility.

Looking Ahead

The approval of the APF-supported programme marks an important milestone in EBSR's continuing journey. It reflects confidence in the organisation's work, acknowledges the success of previous initiatives and opens the door to even greater impact in the years ahead.

The fight against corneal blindness cannot be won by institutions alone. It requires the collective efforts of communities, healthcare professionals, volunteers, policymakers, donors and citizens who believe that every individual deserves the gift of sight.

As EBSR enters this promising new chapter, it invites all stakeholders to become partners in its mission—a mission to create a Rajasthan where no one remains blind for want of a cornea and where eye donation becomes a powerful movement of hope, compassion and humanity.

After all, every eye donation is far more than a medical procedure. It is a gift of light, a gift of opportunity, and above all, a gift of life.

नेत्रदान: एक सच्चा आंदोलन - जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए

रवि कामरा
एग्जीक्यूटिव मेम्बर
ईबीएसआर

अब्राहम लिंकन ने लोकतंत्र के लिए कहा था – **"Government of the people, by the people, for the people."** ये शब्द सिर्फ राजनीतिक विचारधारा तक सीमित नहीं हैं। ये हर उस आंदोलन की आत्मा हैं जो समाज को बदल देता है।

नेत्रदान ऐसा ही एक पवित्र आंदोलन है।

1. **जनता का – उपहार हमसे ही आता है**

आँखें किसी फैक्ट्री में नहीं बनतीं। इन्हें खरीदा नहीं जा सकता। हर दान की गई आँख एक इंसान से दूसरे इंसान को दिया गया अनमोल उपहार है।

शिक्षक, किसान, दुकानदार, योग साधक – हम में से कोई भी संकल्प ले सकता है। दाता कोई अस्पताल या सरकार नहीं है। दाता आप और हम जैसे लोग हैं। यह अभियान हमारे घरों से, हमारे संकल्प से, हमारी इंसानियत से शुरू होता है। यह सचमुच जनता का है।

2. **जनता द्वारा – अभियान हमसे ही चलता है**

- जागरूकता कौन फैलाता है ? हम और आप।
- स्वयंसेवक जो शिविर और रैलियाँ लगाते हैं
- परिवार जो दुःख की घड़ी में भी अपने प्रियजन का संकल्प पूरा करते हैं
- डॉक्टर और नेत्र बैंक जो दिन-रात काम करते हैं – इनमें से ज्यादातर नागरिकों द्वारा चलाए गए ट्रस्ट/NGO हैं
- धर्मगुरु और समाजसेवी जो भ्रम दूर करते हैं

कोई भी सरकार अकेले इस आंदोलन को नहीं चला सकती। यह तभी सफल होता है जब समाज इसे अपनाता है – जब बच्चे पोस्टर बनाते हैं, जब कॉलोनी में संकल्प शिविर लगते हैं, जब पड़ोसी पड़ोसी को समझाता है। यह तंत्र जनता द्वारा चलता है।

3. **जनता के लिए – रोशनी फिर हम तक ही लौटती है**

लाभ किसे होता है ? फिर से, हमारे अपने लोगों को।

वह बच्चा जो ब्लैकबोर्ड नहीं देख पाता। वह बुजुर्ग दादा, जो पोते का चेहरा नहीं देख पाते। वह कमाने वाला व्यक्ति जिसकी दुर्घटना में रोशनी चली गई।

दान के बाद दो नेत्रहीन लोगों को दृष्टि मिलती है। वे स्कूल लौटते हैं, काम पर जाते हैं, परिवार संभालते हैं। समाज मजबूत होता है। देश से रोकी जा सकने वाली नेत्रहीनता का बोझ कम होता है। लाभार्थी कोई अनजान नहीं – कभी वह हमारा अपना भी हो सकता है। यह उपहार जनता के लिए है।

रक्तदान की तरह इसे जीते जी नहीं देना पड़ता। एक साधारण संकल्प, और मृत्यु के बाद 15 मिनट की प्रक्रिया, दो लोगों को पूरी जिंदगी की रोशनी दे देती है।

लिंकन ने राजनीतिक लोकतंत्र की बात की थी। नेत्रदान एक मानवीय लोकतंत्र है।

कोई राष्ट्रपति, कोई प्रधानमंत्री, कोई कानून आँखें नहीं दे सकता। सिर्फ लोग दे सकते हैं।

तो अगली बार जब भी आप नेत्रदान के लिये कहें यहीं कहें – नेत्रदान जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए अभियान है – याद रखिए: आप नारा नहीं दोहरा रहे। आप इस आंदोलन का सबसे सुंदर सच बता रहे हैं।

आइए संकल्प लें।

आइए साझा करें।

आइए दृष्टि का उपहार दें।

आप इस 'रोशनी के लोकतंत्र' का हिस्सा कैसे बनें ?

1. **नेत्रदान का संकल्प लें – आज ही परिवार से बात करें। हमारे बाद उनकी सहमति ही सबसे जरूरी है**
2. **बात फैलाएं – एक बातचीत एक भ्रम तोड़ती है। समाज में कहें**
3. **मरने के बाद भी देह दान, नेत्रदान से रोशन जहान**
4. **6 घंटे के भीतर नेत्र बैंक को कॉल करें – समय बहुत कीमती है। आई बैंक सोसायटी आफ राजस्थान का हेल्पलाइन नंबर सेव करें:**

7375 855 855
अपने मोबाइल से इस नंबर पर मिस्ड काल करें

The Gift of Sight : How the world is Reinventing Eye Donation

Govind Gurbani
Assistant Editor

Corneal blindness affects millions of people worldwide, but many of them can see again through eye donation. The encouraging news is that countries across the world are finding new ways to increase eye donation and help more blind people regain their sight.

According to the World Health Organization, corneal diseases are among the leading causes of blindness worldwide. Yet one eye donor can restore vision to up to two people.

Several countries have shown how awareness and organized eye banking can make a big difference. In the United States, eye banks collect and distribute tens of thousands of donor corneas every year, helping patients not only within the country but also in many other nations. Sri Lanka has become internationally known for its strong eye donation movement and has provided donor corneas to patients in several countries. Singapore has improved donation rates through public awareness and supportive policies.

India has also made significant progress. Through the efforts of eye banks, hospitals, NGOs, and volunteers, more than 70,000 corneas are collected annually across the country. However, experts estimate that India still needs over 1 lakh (100,000) corneas every year to meet the demand for corneal transplantation.

National Eye Donation & Cornea Collection Figures – India

According to the Ministry of Health & Family Welfare, Government of India, under the National Programme for Control of Blindness & Visual Impairment (NPCBVI), India has shown steady progress in eye donation and cornea collection.

Year	Corneas Collected	Growth
2022–23	62,370	—
2023–24	66,434	6.5%
2024–25	69,848	5.1%

Awareness programmes are proving highly effective. For example, many hospitals now approach families sensitively after a death and explain the possibility of eye donation. Experience shows that when families receive proper information, many willingly consent to donate.

Another encouraging development is better preservation of donated corneas, allowing eye banks to store tissue safely for longer periods and help more patients.

Behind every statistic is a human story. A student who could not read, a worker who lost his livelihood, or an elderly person living in darkness may regain independence after a corneal transplant. For them, eye donation is not just a medical procedure—it is a second chance of life.

The message from around the world is clear: greater awareness, stronger eye banks, and compassionate families can dramatically reduce corneal blindness. Eye donation costs nothing, does not delay funeral rites, and can bring light into the lives of two people. Even after death, the gift of sight can continue to shine through someone else's eyes.

कभी दधीचि ने दिया, अपना अस्थिदान।
नेत्र–दान हम भी करें, देकर बने महान।।
–राष्ट्संत श्री चन्द्रप्रभसागर

Yoga Day

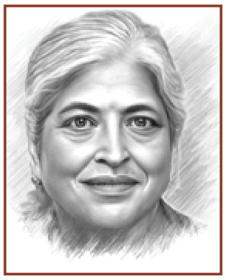

Geeta Kumari
Nursery Park
Yog Parivaar
Vaishali Nagar

International Yoga Day 21 June 2026 – As the first rays of sun touched the lush greens of Nursery Park, Vaishali Nagar, over 300 members of Nursery Park Yog Parivaar came together to celebrate the 12th International Day of Yoga. This year's global theme, 'Yoga for Healthy Ageing', found a deeply moving local expression as the event wove together the ancient science of holistic well-being with the modern mission of eye donation.

The morning's proceedings were graced by Shri B.L. Sharma, President of the Eye Bank Society of Rajasthan, as Chief Guest. His presence transformed a routine yoga celebration into a powerful call for seva.

Addressing the gathering, Yogacharya Ravi Kamra said, “Yoga does not stop ageing, but it teaches us to age with strength, flexibility, and peace. When the body is supple and the mind is serene, every year of life becomes a celebration.”

Chief Guest's Address: A Vision Beyond the Self

Shri B.L. Sharma, 80plus, himself a dedicated yoga practitioner, struck an immediate chord with the audience. Applauding the theme, he drew a profound connection between yoga and eye donation.

“Yoga teaches us Aparigraha – non possessiveness. We care for this body, but we do not own it forever,” he said. “Ageing gracefully means understanding that

even after we are gone, our eyes can help another person see their grandchildren, read the Gita, or watch the sunrise. What greater yoga is there than to keep the cycle of light going?”

A very symbolic and unique way was adopted as the Chief Guest opened the Black Ribbon tied on the eyes of three Ladies to Inaugurate the event and he Lit a large Mashaal to symbolise the, passing on the Spirit of Yoga & the noble cause of Eye Donation.

Senior members of the Executive of EBSR Mrs.Usha Bapna & Mr.Gobind Gurbani were also present.

The Pledge: From Mat to Mission

In a deeply emotional moment, 147 members of Yog Parivaar stepped forward to sign the Eye Donation Pledge Forms made available by the Eye Bank Society team. Volunteers from the society facilitated on-the-spot registrations and distributed donor cards. Mr.Ram Dayal from EBSR organised the help desk at the venue.

A Model for the Nation

The celebration at Nursery Park stood out for its seamless integration of health, spirituality, and social responsibility. It showcased how International Yoga Day can move beyond physical postures to become a catalyst for community transformation.

As Shri B.L. Sharma aptly summed up, “Yoga gives us a better life. Eye donation gives someone a second life. When we combine the two, we truly honour the spirit of Vasudhaiva Kutumbakam – the world is one family.”

राजस्थान नेत्र ज्योति
अप्रैल – जून 2026

नेत्र जाँच शिविर एवं नेत्रदान जागरूकता कार्यशालाएँ

हरिश कुमार सोंकुसाले
डिप्टी मैनेजर
ईबीएसआर

अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन परियोजना के अंतर्गत नेत्र शिविर एवं नेत्रदान जागरूकता कार्यशालाएँ – समुदाय में दृष्टि एवं जागरूकता का विस्तार करने के लिये आयोजित की जा रही है।

आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान (EBSR) द्वारा अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन (APF) के सहयोग से संचालित परियोजना के अंतर्गत राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ाने तथा नेत्रदान के प्रति जन-जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर नेत्र शिविरों एवं जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है।

परियोजना का मुख्य उद्देश्य केवल नेत्र रोगों की पहचान एवं उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि समुदाय को नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना तथा नेत्रदान जैसे मानवीय कार्य के महत्व से परिचित कराना भी है। इसी उद्देश्य से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नियमित रूप से नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहाँ विशेषज्ञ आप्टोमेट्रिस्ट द्वारा नेत्र परीक्षण, परामर्श एवं आवश्यक उपचार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

क्रमांक	नेत्र स्वास्थ्य जांच शिविर संख्या	नेत्रदान जागरूकता कार्यशाला संख्या
1	2	2

इन शिविरों के माध्यम से मोतियाबिंद, दृष्टि दोष (Refractive Errors) एवं अन्य नेत्र रोगों से प्रभावित व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें समय पर उपचार एवं रेफरल सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे न केवल दृष्टि संबंधी समस्याओं का समय रहते समाधान हो रहा है, बल्कि लोगों के जीवन की गुणवत्ता में भी सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहा है।

साथ ही, परियोजना के अंतर्गत आयोजित नेत्रदान जागरूकता कार्यशालाएँ समुदाय में नेत्रदान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन कार्यशालाओं में प्रतिभागियों को कॉर्निया अंधत्व, नेत्रदान की प्रक्रिया, उसके सामाजिक महत्व तथा उससे जुड़े विभिन्न मिथकों एवं भ्रांतियों के बारे में जानकारी दी जाती है। विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षित स्वयंसेवकों द्वारा सरल एवं प्रभावी संवाद के माध्यम से लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया जाता है।

अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से संचालित यह पहल समुदाय आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के साथ-साथ समाज में सेवा, संवेदना और सहभागिता की भावना को भी प्रोत्साहित कर रही है। परियोजना के अंतर्गत प्राप्त सहयोग ने नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं एवं नेत्रदान जागरूकता गतिविधियों के विस्तार को नई गति प्रदान की है।

यह पहल इस विश्वास को सशक्त करती है कि सामुदायिक सहभागिता, जागरूकता एवं संस्थागत सहयोग के माध्यम से कॉर्निया अंधत्व की चुनौती का प्रभावी समाधान संभव है। आने वाले समय में भी इस परियोजना के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक नेत्र स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने एवं नेत्रदान के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

क्रमांक	कुल उपस्थिति	नि:शुल्क चश्मा वितरण	नि:शुल्क दवाइयाँ वितरण	मोतियाबिंद
1	376	162	187	47

जयपुर चेप्टर

संवेदना के क्षण

जयपुर जिले मैं अप्रैल –जून 2026 के दौरान विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। दिनांक 20.5.26 को अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्र तक पहुंच बनाने के लिए ग्राम रेनवाल मांझी में नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन में कुमारप्पा ग्राम स्वराज संस्थान एवं स्थानीय प्रशासन की सहभागिता सराहनीय रही। कैंप में लगभग 250 लोगों के नेत्रों की जांच कर उन्हें नेत्रों की देखभाल, रोग की पहचान एवं इलाज हेतु उचित परामर्श दिया गया ।इस कैंप की विस्तृत रिपोर्ट पत्रिका में अलग से लेख में दी गई है।

जयपुर में एचसीआरपी एवं वॉलंटरी नेत्रदान होते है। नेत्रदानी शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना एवं आभार प्रदर्शित करने हेतू ई बी एस आर के सम्मानित सदस्य एवं कर्मचारी उनकी शोक सभा में सम्मिलित होने का प्रयास करते हैं। गत माह में आयोजित 12 ऐसी शोक सभाओं में सम्मिलित होकर प्रशस्ति पत्र एवं माला प्रदान कर दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। अवसरानुकूल वहां उपस्थित जन समुदाय को भी नेत्रदान के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया।

दिनांक 13. 5. 26 को ओटीएस जयपुर में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में ईबीएसआर के अध्यक्ष श्री बी एल शर्मा सर ने नेत्रदान के सभी व्यावहारिक पक्षों की जानकारी दी। दृष्टि नहीं होने पर कैसा अनुभव होता है, इसके लिए कुछ

प्रशिक्षणार्थियों की आंखों पर पट्टी बांधकर उन्हें जो अनुभव हुआ उसको सुना गया। इस संवेदनशील अनुभव से प्रेरित होकर उन्हें अपने सेवाकाल के दौरान नेत्रदान की मुहिम को जनता तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का संदेश भी दिया गया।

दिनांक 13.5 .26 को ही आर्ट ऑफ़ लिविंग के गुरु श्री श्री रवि शंकर जी के जन्म दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में हेल्प डेस्क लगाई गई। वहां उपस्थित लोगों में से 25 लोगों ने नेत्रदान के लिए संकल्प पत्र भरकर दिए।

वॉलंटरी नेत्रदान को बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में कार्य कर रही तेरापंथ युवक परिषद से श्री वरूण बरडिया, जैन सोशल ग्रुप से श्री कमल संचेती एवं माहेश्वरी समाज से श्री बजाज साहब को ईबीएसआर कार्यालय में आमंत्रित कर उनकाअपेक्षित सहयोग किस प्रकार वॉलंटरी नेत्रदान को बढ़ा सकता हैं, इस पर विस्तृत चर्चा की गई। तेरापंथ युवक परिषद के प्रतिनिधि ने बताया कि वे जयपुर से बाहर भी नेत्रदान के कार्य में सहयोग करने के लिए तैयार है।

21 जून 2026 वैशाली नगर नर्सरी पार्क में योग दिवस के उपलक्ष में आयोजित योगाभ्यास के साथ ही नेत्रदान की लोगों को जानकारी देने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया ।लगभग 250 लोगों की उपस्थिति में नेत्रदान की संपूर्ण प्रक्रिया, भ्रांतियां एवं इस कार्य में सभी का सहयोग किस प्रकार कॉर्नियल ब्लाइंडनेस को दूर करने में मदद कर सकता है, इसकी जानकारी अध्यक्ष श्री बी एल शर्मा सर ने सभी को दी। यहां उल्लेखनीय है कि वैशाली नगर के कुछ लोग पहले से ही नेत्रदान की मुहिम से जुड़े हुए है। श्री रवि कामरा एवं योग परिवार के सदस्यों का सहयोग अति सराहनीय रहा। वहां हेल्प डेस्क भी लगाई गई थी जहां 35 जनों ने नेत्रदान के लिए संकल्प पत्र भरे। प्रातः काल से ही तेज बारिश होने के बावजूद भी लोगों का उत्साह देखने योग्य था।ईबीएसआर की ओर से श्री गोविंद

गौरव के क्षण

फोटो में राइट से लेफ्ट – डॉ. एम. एल. स्वर्णकार, डॉ लकी जैन, श्री बीएल शर्मा और डॉ. आर. जी. शर्मा

दिनांक 27 मई, 2026 को एस एम एस मेडिकल कॉलेज के भूतपूर्व प्रिंसिपल एवं प्रसिद्ध सर्जन डॉक्टर जी सी शर्मा की स्मृति में एक लेक्चर महात्मा गांधी हॉस्पिटल के आर एल स्वर्णकार ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। अटलांटा अमेरिका में कार्यरत भारतीय प्रोफेसर डॉक्टर लकी जैन ने The Pursuit of Excellence in medicine : Lesson from Giants in the field विषय पर अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में ईबीएसआर के अध्यक्ष श्री बी एल शर्मा साहब ने भी भाग लिया। डॉ. लकी जैन आई बैंक की गतिविधियों से पूर्व से ही परिचित है एवं नेत्रदान को सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं अंधता निवारण की प्रथम आवश्यकता मानते हैं। उन्होंने कार्यक्रम के बाद आई बैंक को अपनी ओर से 50000 रु दान में दिए जाने की घोषणा की। इससे भी बड़ी उनकी उदारता एवं मानवता की श्रेष्ठता देखिए की महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी की ओर से इस लेक्चर के लिए दिए जाने वाले हॉनरेरियम की राशि भी उन्होंने आई बैंक को सहायता स्वरूप दिए जाने की पहल की। आयोजकों को कह दिया कि ओनेरेरियम स्वरूप 50000 की राशि आप मुझे दे रहे हैं वह भी आई बैंक सोसाइटी ऑफ़ राजस्थान के कार्यालय को आप भिजवा दें।

संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन महात्मा गांधी मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी एवं डॉक्टर एम एल स्वर्णकार के प्रयासों से हुआ। ईबीएसआर डॉ. लकी जैन का विशेष आभार एवं डॉ स्वर्णकार को ऐसे आयोजन के लिए बधाई देता है। यहाँ उल्लेखनीय है कि हमें महात्मा गांधी अस्पताल से कॉर्निया एकत्रीकरण में गत अनेक वर्षो से सहयोग मिलता रहा है।

इस आयोजन में महात्मा गांधी अस्पताल के प्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर आरजी शर्मा का विशेष सहयोग रहा। यहां तक की डॉ. लकी शर्मा के सहयोग के पीछे भी मुख्य प्रेरणा डॉक्टर शर्मा की ही रही है। वे आई बैंक के कार्यों से बहुत प्रभावित रहे हैं। उनके परिवार की ओर से कुछ समय पूर्व ही एक लाख रुपए की सहायता राशि आई बैंक को प्राप्त हो

चूरू चेप्टर

समेकित गतिविधि प्रतिवेदन

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, चूरू चैप्टर द्वारा अप्रैल से जून 2026 के दौरान चूरू जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्रदान जन–जागरूकता अभियान व्यापक स्तर पर संचालित किया गया। इस अवधि में ग्राम पंचायत **जीवणदेसर (5 अप्रैल 2026), जैतासर, तहसील भानीपुरा** (**8 मई 2026**) तथा **बरड़ासर** (**10 जून 2026 – विश्व नेत्रदान दिवस**) में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का आयोजन स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों एवं विश्व नेत्रदान दिवस के अवसर पर किया गया, जहाँ नेत्रदान हेल्पडेस्क स्थापित कर आमजन को नेत्रदान के महत्व, प्रक्रिया एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी प्रदान की गई।

नेत्र संग्रह केन्द्र, सरदारशहर के समन्वयक **श्री गणेशदास स्वामी** ने सभी कार्यक्रमों में नेत्रदान से संबंधित भ्रांतियों एवं गलत धारणाओं का वैज्ञानिक आधार पर निराकरण किया तथा बताया कि मृत्यु के पश्चात नेत्रदान कर दो नेत्रहीन व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश लाया जा सकता है। उन्होंने नेत्रदान को महादान बताते हुए प्रत्येक परिवार से इसे अपनी पारिवारिक परम्परा बनाने तथा मृत्यु उपरांत नेत्रदान का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रमों के दौरान ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी जिज्ञासाओं एवं शंकाओं का समाधान भी किया गया।

कार्यक्रमों में जिला प्रशासन एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (आई.ई.सी.), चूरू द्वारा उपलब्ध कराई गई नेत्रदान संबंधी प्रचार सामग्री का वितरण किया गया, जिससे लोगों को नेत्रदान की प्रक्रिया एवं उसके सामाजिक महत्व की जानकारी प्राप्त हुई।

अप्रैल माह में जीवणदेसर में आयोजित कार्यक्रम में आयुर्वेद विश्वभारती महाविद्यालय, सरदारशहर के डॉ. नितीन शर्मा, डॉ. नरेन्द्र जांगिड़, श्री राजेन्द्र कुमार तिवाड़ी (साहवा), सामाजिक कार्यकर्ता श्री फुसाराम स्वामी एवं श्री मोहित भाट ने नेत्रदान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए तथा समाज को इस पुनीत कार्य से जुड़ने का संदेश दिया।

मई माह में जैतासर (भानीपुरा) में आयोजित कार्यक्रम में **श्री दुर्गाराम पारीक (पूर्व विकास अधिकारी, पंचायत समिति सरदारशहर), श्री राकेश किलानिया, श्री प्रेमराज शर्मा (जयसंगसर), श्री शिवनारायण पारीक (पूर्व सरपंच), श्री भंवरलाल गौड़, श्री बाबूलाल पारीक, श्री दीपचंद गौड़, श्री दिलीप सिंह पंवार तथा श्री रामअवतार पारीक (शिक्षक)** ने नेत्रदान को मानवता की महान सेवा बताते हुए ग्रामीणों से नेत्रदान का संकल्प लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएँ, युवा एवं वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

विश्व नेत्रदान दिवस (10 जून 2026) के अवसर पर राजकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र, बरड़ासर में आयोजित कार्यक्रम में **सुश्री प्रियंका चांदोलिया (सी.एच.ओ.)** ने नेत्रदान को परमार्थ एवं मानव सेवा का श्रेष्ठ कार्य बताते हुए इसका संदेश जन–जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। ग्राम की **श्रीमती सोहनी देवी मेघवाल** ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज में नेत्रदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इन सभी कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्रदान के प्रति जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लोगों की भ्रांतियों का निवारण हुआ, नेत्रदान के प्रति सकारात्मक वातावरण बना तथा समाज में यह संदेश प्रभावी रूप से पहुँचा कि नेत्रदान किसी नेत्रहीन व्यक्ति के जीवन में प्रकाश लाने का सबसे बड़ा मानवीय उपहार है। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, चूरू चैप्टर भविष्य में भी ऐसे जन–जागरूकता अभियानों के माध्यम से अधिकाधिक लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने हेतु निरंतर कार्य करता रहेगा।

Donate Your Eyes.............Help Combat Corneal Blindness

कोटा चेप्टर

घर-घर जाकर नेत्रदान का संदेश: अनूठी पहल

कोटा चैप्टर का उद्देश्य:

1. **सम्मान:** नेत्रदानी परिवारों को समाज में वह पहचान दिलाना जिसके वे हकदार हैं।
2. **जागरूकता:** हर शोक सभा को नेत्रदान जागरूकता का मंच बनाना।
3. **प्रेरणा:** एक दान से दूसरों को प्रेरित कर आंदोलन को आगे बढ़ाना।

आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान, कोटा चैप्टर अब केवल अस्पतालों तक सीमित नहीं है। चैप्टर की टीम नेत्रदानी परिजनों के घर जाकर उन्हें नेत्रदान का महत्व समझा रही है और उनके साहस को सम्मान दे रही है।

नेत्रदान के तुरंत बाद, आई बैंक टेक्नीशियन श्री टिंकू ओझा और चैप्टर के सदस्य शोक सभा में पहुँचते हैं। वहाँ परिजनों को प्रेरित करने के साथ-साथ, उन्हें नेत्रदान का प्रशस्ति पत्र भी भेंट किया जाता है।

यह छोटी सी पहल बड़े बदलाव ला रही है। शोक सभा में आए लोग जब नेत्रदानी परिवार की कहानी सुनते हैं, तो वे भी नेत्रदान के लिए प्रेरित होते हैं। एक परिवार का निर्णय सैकड़ों लोगों को नई रोशनी देने का संकल्प बन रहा है।

EBSR कोटा चैप्टर का यह कदम साबित करता है कि संवेदना के साथ किया गया कार्य समाज में कितनी बड़ी रोशनी फैला सकता है।

मई माह में चैप्टर के माध्यम से श्रीमान संदीप अग्रवाल जी के घर पर मीटिंग की गई, जिसमें कई निर्णय लिए गए। नेत्रदानी के घर जाकर सम्मान करना उनको नेत्रदान के प्रति जागरूक करना, साथ ही जागरूकता का प्रचार प्रसार करने हेतु नेत्रदान की जानकारी से संबंधित पत्रिका का प्रकाशन करना। जिसका प्रकाशन शीघ्र ही कोटा चैप्टर के माध्यम से आगामी दिवसों में किया जाएगा।

बैठक में कोटा चैप्टर के अध्यक्ष डॉक्टर के के कंजोलिया उपाध्यक्ष जीडी पटेल, सचिव सुरेश सेदवाल, श्रीमान के. एल. गुप्ता, श्रीमान वेद प्रकाश जी गुप्ता, श्रीमान ईश्वर लाल सैनी, श्रीमान राजेंद्र जी अग्रवाल, अनीता जी चौहान, प्रोफेसर नीरजा श्रीवास्तव, टेक्नीशियन टिंकू ओझा आदि उपस्थित रहे.

बैठक के अंत में अध्यक्ष महोदय द्वारा बताया गया कि हर महीने प्रत्येक सदस्य के निवास पर बैठक कर नेत्रदान से संबंधित नए-नए प्रकल्पों और जनता को जागरूक करने के विभिन्न तरीकों के बारे में चर्चा की जाएगी और उनको क्रियान्वित किया जाएगा.

जोधपुर चेप्टर

दृष्टिदाताओं को नमन - 70 नेत्रदानी परिवारों का सम्मान

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, जोधपुर चैप्टर द्वारा कायलाना रोड स्थित संबोधिधाम में आयोजित दृष्टिदाता सम्मान समारोह सेवा, संवेदना और मानवता का प्रेरणादायी उत्सव बन गया। समारोह में उन 70 नेत्रदानी परिवारों का सम्मान किया गया जिन्होंने अपने प्रियजनों के निधन के उपरांत नेत्रदान कर दो–दो नेत्रहीन व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश का संचार किया।

समारोह का शुभारम्भ प्रातः 9:30 बजे हुआ। कार्यक्रम को राष्ट्र संत चन्द्रप्रभ सागर, ललितप्रभ सागर एवं मुनिवर शांतिप्रिय सागर महाराज का दिव्य सानिध्य प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी श्री प्रकाश जीरावाला, डॉ. अरविन्द चौहान एवं श्री वेद प्रकाश पित्ती उपस्थित रहे।

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, जोधपुर चैप्टर के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र जैन ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए नेत्रदान की प्रक्रिया, उसके महत्व तथा समाज में बढ़ती जागरूकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सम्मानित किए गए सभी परिवारों ने अपने कठिनतम समय में भी मानवता की सेवा का मार्ग चुनकर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

अपने प्रेरक उद्बोधन में राष्ट्र संत चन्द्रप्रभ सागर महाराज ने कहा कि नेत्रदान महादान है। उन्होंने समाज से अधिकाधिक लोगों को मृत्यु उपरांत नेत्रदान का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि प्रत्येक परिवार इस महान कार्य में सहभागिता निभाए, तो कॉर्नियल अंधत्व जैसी समस्या को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है और हजारों लोगों के जीवन में पुनः प्रकाश लाया जा सकता है।

मुख्य अतिथि श्री प्रकाश जीरावाला ने आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा नेत्रदान के क्षेत्र में किए जा रहे सतत प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मानव सेवा के अनेक स्वरूप हैं, किन्तु नेत्रदान ऐसा महादान है जो किसी व्यक्ति को पुनः देखने का अमूल्य अवसर प्रदान करता है। डॉ. अरविन्द चौहान एवं श्री वेद प्रकाश पित्ती ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग से नेत्रदान जागरूकता अभियान में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

समारोह के दौरान सभी 70 नेत्रदानी परिवारों को प्रशस्ति–पत्र एवं स्मृति–चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रत्येक परिवार का सम्मान पूरे सभागार के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण बन गया। उपस्थित जनसमुदाय ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इन परिवारों के त्याग,

साहस और मानव सेवा की भावना को नमन किया।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन आई बैंक सोसायटी के उपाध्यक्ष श्री मनोज मेहता ने किया।

यह सम्मान समारोह केवल नेत्रदानी परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर नहीं था, बल्कि समाज में यह संदेश देने का सशक्त माध्यम भी बना कि मृत्यु के बाद भी नेत्रदान के माध्यम से जीवन का प्रकाश आगे बढ़ाया जा सकता है। जोधपुर चैप्टर का यह आयोजन निश्चित रूप से नेत्रदान जनजागरण अभियान को नई ऊर्जा प्रदान करेगा तथा अधिकाधिक लोगों को इस महादान के लिए प्रेरित करेगा।

बीबीजे चेप्टर

सामाजिक संस्थाओं की ओर से जिले के 74 नेत्रदानी परिजनों का सम्मान

आँखों में आँसू थे, लेकिन उन आँसुओं के पीछे गर्व भी था। मंच पर नेत्रदानी परिजनों का सम्मान हो रहा था और सभागार में उपस्थित हर व्यक्ति की आँखें नम थीं। अवसर था आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान (बीबीजे चैप्टर), रोटरी क्लब बूंदी एवं शाइन इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित नेत्रदानी परिजन सम्मान समारोह-2026 का, जिसमें बूंदी जिले के उन 70 परिवारों को सम्मानित किया गया,जिन्होंने अपने प्रियजनों के निधन के बाद नेत्रदान कर मानवता की सबसे बड़ी सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इसके पश्चात नेत्रदानी परिवारों को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। जैसे ही प्रत्येक परिवार मंच पर पहुँचा, पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा और वातावरण भावुक हो गया।

शरीर समाप्त होता है, लेकिन नेत्रों का प्रकाश जीवित रहता है

कार्यक्रम के सम्माननीय अतिथि विधायक श्री हरिमोहन शर्मा ने कहा कि नेत्रदान केवल दो आँखें दान करना नहीं है, बल्कि किसी अंधेरे जीवन में फिर से सूर्योदय करना है। ऐसे परिवार समाज के लिए प्रेरणा हैं और इन्हें सम्मान देना हम सबका कर्तव्य है।

ऐसी प्रेरणा पूरे जिले में पहुँचे

अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सीलिंग) श्री रमेश देव ने कहा कि जब कोई परिवार अपने सबसे कठिन समय में भी नेत्रदान का निर्णय लेता है, तब वह मानवता की सर्वोच्च मिसाल कायम करता है। प्रशासन भी ऐसे जनजागरण अभियानों को हर संभव सहयोग देगा ताकि अधिक से अधिक लोग इस महादान से जुड़ें।

मृत्यु अंत नहीं, किसी और के जीवन की नई शुरुआत है

अध्यक्ष कॉपरेटिव बैंक श्री सत्येश शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि वास्तविक बहादुरी वही है, जो दूसरों के जीवन में उम्मीद जगाए। नेत्रदान का संकल्प समाज में संवेदनशीलता और सेवा की भावना को मजबूत करता है।

रोटरी क्लब ने लिया जनजागरण का संकल्प

रोटरी क्लब बूंदी के अध्यक्ष श्री ऋतुराज दाधीच ने कहा कि रोटरी क्लब केवल सेवा परियोजनाएँ ही नहीं चलाता, बल्कि समाज में मानवीय मूल्यों को भी मजबूत करने का कार्य करता है। नेत्रदान और अंगदान जनजागरण हमारा सतत अभियान रहेगा।

प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री चंद्र प्रकाश सेठी ने कहा कि

आज जिन परिवारों का सम्मान हुआ है, वे वास्तव में समाज के सच्चे नायक हैं। यदि इनकी प्रेरणा से एक भी व्यक्ति नेत्रदान का संकल्प लेता है, तो यह कार्यक्रम पूरी तरह सफल माना जाएगा।

आपके जाने के बाद भी आपका प्रकाश जीवित रह सकता है

शाइन इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. कुलवंत गौड़ ने नेत्रदान की पूरी प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाते हुए कहा कि,नेत्रदान पूर्णतः सम्मानजनक, निःशुल्क और सरल प्रक्रिया है। उन्होंने सभी उपस्थित

नागरिकों से अपील की, कि वह स्वयं नेत्रदान एवं अंगदान का संकल्प लें तथा अपने परिवार को भी इस निर्णय से अवगत कराएँ।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने सामूहिक रूप से नेत्रदान एवं अंगदान जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

समारोह में सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, चिकित्सक, रोटेरियन, स्वयंसेवक, नेत्रदानी परिवार, गणमान्य नागरिक, संस्था के ज्योति मित्र इदरीस बोहरा,महेश चांदवानी,संजय विजावत, सूर्य प्रकाश बागला, संजय लाठी, नैनवा से महावीर जैन एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

सुरेन्द्र चौरसिया–नेत्रदानी परिजन ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा

शुरुआत में परिवार के कुछ सदस्य असमंजस में थे, लेकिन जब हमें नेत्रदान की पूरी प्रक्रिया समझाई गई तो हमने तुरंत सहमति दे दी। आज हमें गर्व है कि हमने अपने प्रियजन की अंतिम इच्छा को मानवता की सेवा में बदल दिया। यह निर्णय हमारे जीवन का सबसे संतोषजनक निर्णय है।

एक नेत्रदानी परिजन ने संस्था के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा

कि यदि उस कठिन समय में शाइन इंडिया फाउंडेशन की टीम हमें नेत्रदान के महत्व के बारे में संवेदनशीलता से नहीं समझाती, तो शायद हम यह महान निर्णय नहीं ले पाते। आज हम सभी परिवारों से कहना चाहते हैं कि दुख की उस घड़ी में लिया गया यह एक निर्णय किसी के पूरे जीवन में उजाला ला सकता है।

अजमेर चेप्टर

प्रेरणादायक जनजागरण यात्रा

80 से अधिक गांवों में नेत्रदान का संदेश

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान – अजमेर चैप्टर ने अप्रैल से जून 2026 की तिमाही में नेत्रदान जागरूकता के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय अभियान चलाया। इस अभियान का आयोजन **बधिर विद्यालय, अजमेर** के सहयोग से किया गया, जिसमें श्री भरत शर्मा, टेक्निशियन एवं उनकी टीम ने विशेष प्रचार वाहन के माध्यम से लगातार चार दिनों तक प्रातः 8 बजे से सायं 7 बजे तक ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरण किया।

इस व्यापक अभियान के दौरान 80 **से अधिक बड़े एवं छोटे गांवों** का भ्रमण कर ग्रामीणों को नेत्रदान के महत्व, कॉर्नियल अंधत्व की रोकथाम तथा मृत्यु उपरांत नेत्रदान की प्रक्रिया के बारे में सरल एवं प्रभावी जानकारी दी गई। अभियान में रूपनगढ़, सालेमाबाद, मेड़ता, डेगाना, ब्यावर, पीसांगन, गोविन्दगढ़, गुलाबपुरा सहित अनेक गांवों के साथ–साथ अनेक छोटे गांवों तक भी पहुंच बनाई गई।

ग्रामवासियों ने इस पहल का उत्साहपूर्वक स्वागत किया तथा नेत्रदान के प्रति सकारात्मक रुचि दिखाई। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं भविष्य में अधिक से अधिक नेत्रदान सुनिश्चित करना था।

अजमेर चैप्टर का यह प्रयास समाज सेवा एवं मानवता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। आशा है कि ऐसे सतत जनजागरण अभियानों से राजस्थान में नेत्रदान में निरंतर वृद्धि होगी और अनेक कॉर्नियल अंध व्यक्तियों के जीवन में पुनः प्रकाश आएगा।

नेत्र दानदाताओं की सूची

क्र.स. नाम पता

अप्रैल 2026

1. सुधीर कोठारी, भीलवाड़ा
2. महावीर प्रसाद जैन, बूंदी
3. अशोक सत्यानी, जोधपुर
4. गुड्डी देवी, रहौली
5. होतम सिंह, भरतपुर
6. चिमनलाल मिडा, श्रीगंगानगर
7. रामेश्वर लाल मूंदड़ा, गंगापुर
8. प्रेमचंद कुमार, अजमेर
9. मुरलीधर खंडेलवाल, कोटा
10. राम जी लाला, जयपुर
11. अम्बिका गुप्ता, कोटा
12. श्रीमती शशि कला दिवाडी, अजमेर
13. निम्मो देवी, गुरु नगर एसजीएनआर
14. किरण देवी घोड़ावत, डीडवाना
15. राकेश, अजमेर
16. मीरा शर्मा, उदयपुर
17. रूपचंद हरवानी, अजमेर
18. विश्वनाथ कांडोई, जोधपुर
19. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, रजतगढ़
20. श्री राम, पथवाडी जुरेरा ढिंग
21. उमाकान्त, भरतपुर
22. हरगोविंद, भरतपुर
23. रविकांत, 192 जी ब्लॉक एसजीएनआर
24. प्रियंका, बीकानेर
25. राम पाल माली, शंकर कॉलोनी, सरवर
26. प्रवीण, दौसा
27. अशोक कुमार बगवानी, त्रिवेणीनगर, हितेश
28. पार्थ सोनामी, जयपुर
29. अनिल विश्नोई, जोधपुर
30. रतन नागौरा, अजमेर
31. पार्वती मेहरा, जयपुर
32. प्रेमलता सांखला, जोधपुर
33. रामप्रताप जाट, टोंक
34. श्रीमती उषा हाड़ा, अजमेर
35. लालचंद मुजराल, एसजीएनआर
36. शंकुतला, एसजीएनआर
37. अशोक कुमार सैनी, जयपुर
38. श्री आशा गोखरू, आजाद नगर
39. जितेन्द्र सांखला, जोधपुर
40. ईश्वर राम, चूरू
41. राहुल तंवर, ब्यावर
42. शिवराज धाकड़, भीलवाड़ा
43. राजेश धोबी, दौसा
44. श्रीमती उषा मंघानी, अजमेर
45. देवेन्द्र चौधरी, जालौर
46. सुशील कुमार नवलखा, जयपुर
47. निर्मला कुमारी, पाली
47 जसाराम, सिंघार नागौर
49. तुषार जोशी, अजमेर
50. श्रीमती. रामप्यारी देवी, सुजानगढ़, चूरू
51. विमला देवी अग्रवाल, भीलवाड़ा
52. अरुणा लोढ़ा, पाली
53. शकुंतला जैन, कोटा
54. शंकर सिंह, जयपुर
55. छत्रपति शिवाजी भाटी, अजमेर
56. ललित कुमार जाटव, अजमेर
57. विनित कुमार पांडे, पाली
58. डॉ. परकेश सखारानी, अजमेर
59. बृजराज माहेश्वरी, बारां
60. आशा देवी ओसवाल, बूंदी
61. महुरा देवी, सवाईमाधोपुर
62. जितेन्द्र कुमार, अजमेर
63. शीला देवी जैन, कोटा
64. अमित सेठिया, जोधपुर
65. मुनीश गहलोत, जोधपुर
66. ललित कुमार सिंघी, ब्यावर
67. पारस चंद, अजमेर
68. मनीष, बीकानेर
69. दूला राम, बीकानेर
70. सागर देवी अग्रवाल, जयपुर
71. श्री शंकर लाल घंटेलवाल, चूरू
72. किशोर डेटानी, ब्यावर
73. लोकेश मंत्री, झालावाड़
74. प्रेम चंद जैन, कोटा
75. ललिता मारू, उदयपुर
76. बल्ला राम, बालोतरा (राज.)
77. कल्पना सहजवाणी, कोटा
78. ओमप्रकाश शर्मा, कोटा
79. मूलचंद बोहरा, पाली
80. सागरमल जैन, जयपुर
81. भंवर लाल सोनी, भीलवाड़ा
82. अशोक कुमार, नवलगढ़, झुंझुनूं
83. सुभाष चंद, गली नंबर 2, पूजा कॉलोनी
84. पुष्पा कुमारी, रोड नंबर 2, 22 गोदाम
85. भागीरथ, बीकानेर
86. नरेन्द्र, बारा
87. चंदन मल बाफना, बीकानेर
88. प्रताप चंद, ब्यावर
89. मानसी खंडूजा, कोटा

मई 2026

1. मदन चंद बोथरा, चूरू
2. ज्ञान प्रकाश बंसल, मंदसौर
3. हुकमी चंद तलेसरा, पाली
4. अशोक कुमार, भारोड़
5. कोमल सिंह जैन, झालावाड़
6. सुरेश, नागौर
7. पूनम रानी, सादुलशहर
8. कमला बाई लोढ़ा, उदयपुर
9. दीपशिखा चौबीसा, उदयपुर
10. मृदुला जैन, जोधपुर
11. अनिल मंडोवरा, बूंदी
12. मंजू श्रीवास्तव, कोटा
13. उषा अग्रवाल, कोटा
14. वर्षा संभुवानी, भीलवाड़ा
15. छोटू लाल, बीकानेर
16. गुलाबचंद मेहरड़ा, अजमेर
17. मनोहारी देवी, कालका डाभा

नेत्र दानदाताओं की सूची

क्र.स. नाम पता

18 मोहित चंदवानी, अजमेर
19. गुमानमल सैनानी, उदयपुर
20. जया देवी लोढ़ा, पाली
21ध रितेश कावड़िया, आसींद
22. चकया, गाडी बच्ची
23. विनय कुमार अरोड़ा, ब्यावर
24. कांता कुमारी गुप्ता, कोटा
25. हंसराज, अलवर
26. छतर मल बरडिया, बीकानेर
27. कृष्ण सिंह, खिजुरवाली दानी निंदर
28. कमलेश यादव, जयपुर
29. देवी सहाय, जयपुर
30. रामगोपाल जी पालीवाल, झालावाड़
31. महावीर सिंह चौधरी, व्यास कॉलोनी
32. राकेश जैन, जयपुर
33. निर्मल कुमार जी, बूंदी
34. पीयूष, नदबई,भरतपुर
35. अरविन्द, अलवर
36. कमल श्रीवास्तव, पाली
37. कैलाश मीना, टोंक
38. विनोद कुमार चोपड़ा, कोटा
39. सुनील बैरवा, सवाईमाधोपुर
40. साहिल बम, भीलवाड़ा
41. सुरेंद्र सिंह, बीकानेर
42. रामनारायण बिनानी, श्रीगंगानगर
43. सविता छाबड़ा, कोटा
44. दिलखुश भील, अजमेर
45. जगदीश प्रसाद बाल्दी, भीलवाड़ा
46. दीपक कुमार जेठवा, जोधपुर
47. रुक्मणि देवी मटियानी, भीलवाड़ा
48. हेमन्त प्रजापति, ब्यावर
49. राजेंद्र, नीमकाथाना, सीकर
50. गंभीर सिंह संचेती, कोटा
51. लोकेंद्र सिंह, जयपुर
52. राजा, इटा, यूपी
53. बलजीत सिंह, गंगानगर
54. सरोज मेहता, जयपुर

क्र.स. नाम पता

55. गोकुल लोहरा, जयपुर
56. रवि कुमार गरवाल, अजमेर
57. पदमाराम, बीकानेर
58. साजन राज मेहता, अजमेर
59. हरचंद वर्मा, आगरा (यू.पी.)
60. मोहन लाल जी झंवर, बूंदी
61. श्रीमती चन्द्रकांता बोहरा, अजमेर
62. राजेश कुमार बैरवा, सियाराम नगर, सांगानेर
63. किशोर कुमार, दौसा
64. बबीता सैनी, टोक
65. विशाल कुशवाह, कोटा
66. रामेश्वरप्रसाद, जयपुर
67. विजेन्द्र सिंह, धौलपुर
68. मनोहर सांखला, जोधपुर
69. नीलम विजयवर्गीय, भीलवाड़ा
70. शकुंतला देवी पोरवाल, उदयपुर
71. विनोद कुमार गुप्ता, भीलवाड़ा
72. प्रेम देवी अग्रवाल, भीलवाड़ा
73. राधा देवी, बूंदी
74. अशोक कुमार, श्रीगंगानगर
75. रेखा मिश्रा, अजमेर
76. हसीना, डीडवाना, कुचामन
77. पारसमल जैन, कोटा
78. मोहन लाल ढाका, श्रीगंगानगर
79. नेनु सिंह, बीकानेर
80. तनु सिंह, बीकानेर
81. रामकुमार गुप्ता, झालावाड़
82. मीना अरोड़ा, जयपुर
83. सरिता देवी बुचा, चूरू
84. भागचंद बैरवा, जयपुर
85. हंसराज वैष्णव, भावी
86. संपत राज मेड़तिया, पाली
87. ललिता जोशी, पाली
88. चन्द्र प्रकाश, जयपुर
89. राजेन्द्र सेन, अजमेर
90. विक्की कुमार रैगर, सवाईमाधोपुर
91. ढाका बाई, बूंदी

क्र.स. नाम पता

92 कन्हैया लाल, मंडा भीम सिंह
93. मोती लाल, जयपुर
94. प्रकाश चंद, जयपुर
95. कन्हैया लाल, रेनवाल
96. मीरा देवी माखीजा, भीलवाड़ा
97. मंजू जैन, डूंगरपुर

जून 2026

1. प्रेम देवी ओसतवाल, भीलवाड़ा
2. राधेश्याम अग्रवाल, भीलवाड़ा
3. श्रीमती शीला देवी शर्मा, अजमेर
4. देवेन्द्र कुमार पाटनी, कोटा
5. महावीर प्रसाद भटावरा, ब्यावर
6. सुरेंद्र सिंह मेहता, कोटा
7. मुकुल मीणा, ओडवास, मसारो की ओवरी
8. देवीलाल मीणा, उदयपुर
9. भूरी सिंह, आगरा (उ.प्र.)
10. प्रदीप शर्मा, जयपुर
11. कांति बाई, कोटा
12. जुगल किशोर, जोधपुर
13. शकुंतला, जोधपुर
14. देवराज गुर्जर, अजमेर
15. सत्यनारायण भारदियाज, भीलवाड़ा
16. बद्रीलाल गुप्ता, कोटा
17. गजेन्द्र सिंह राठौड़, कोटा
18. नवीन सिंह डाबी, 19ई82 सीएचबी
19. लता सचदेवानी, जोधपुर
20. जानकी देवी, 3/8 कमला विहार शास्त्री नगर
21. तुलसी देवी, जयपुर
22. रजनी, झुंझुनूं
23 कैलाशी बाकलीवाल, अमर काला
24. अमर चंद, पाली
25. प्रवीण कुमार छाबड़ा, वलब गार्डन
26. पुरुषोतम दास चौधरी, ब्यावर
27. नीरज, जयपुर
28. सरोज देवी वैद, जयपुर
29. पुष्पा देवी, जयपुर
30. विमल कुमार जैन, बारां

नेत्र दानदाताओं की सूची

क्र.स.	नाम	पता
31.	आकाश शुक्ला	कोटा
32.	अविका नन्द	बोध छापर, गोपालगंज
33.	शारदा देवी	जगदीश विहार, सांगानेर
34.	गजानन्द	नोखा, बीकानेर
35.	यशोदा देवी तोषनीवाल	भीलवाड़ा
36.	श्रीमती मुन्नी देवी बीजावत	अजमेर
37.	आशा	प्रताप नगर
38.	गगन दास भगवानी	सिंधी कॉलोनी, राजापार्क
39.	विजय मेहता	जयपुर
40.	धनराज बैरवा	टोंक
41.	चंद्र प्रकाश	भरतपुर
42.	मिश्रीलाल नागर	बारां
43.	संगीता भंडारी	जोधपुर
44.	मोहनलाल सैन	अजमेर
45.	देवेन्द्र	मथुरा (उ.प्र.)
46.	सुमेर सिंह गुर्जर	दौसा
47.	जगदीश	श्रीगंगानगर
48.	अमरजीत	श्रीगंगानगर
49.	श्रीमती शकुंतला देवी बैद	अजमेर
50.	टीना जैन	जयपुर
51.	गिरिराज प्रसाद	अलवर
52.	शकुंतला देवी जैन	अजमेर
53.	संता पटवा	जोधपुर
54.	छंगी देवी	जयपुर
55.	सिद्धार्थ पांडे	जयपुर
56.	राज कुमारी जी मारवाड़ा	बूंदी
57.	सोनू देवी	अलीगढ (यूपी)
58.	घनश्याम	जयपुर
59.	राजेंद्र चौधरी	पीसांगन
60.	शेराराम	बीकानेर
61.	भारती वाधवानी	उदयपुर
62.	श्रीमती अमिता देवी अग्रवाल	अजमेर
63.	सुरेश चंद्र पालीवाल	कोटा
64.	लीला बाई जैसवानी	कोटा
65.	कुमकुम गोयल	अजमेर
66.	श्रीमती भावना देवी	अजमेर
67.	चन्द्रा देवी	पाली
68.	देव कन्या देवी	बापू नगर
69.	राजेंद्र सिंह	बगड़िया श्योपुर (म.प्र.)
70.	सरोज चौहान	जोधपुर
71.	दीपक छंगलानी	अजमेर
72.	रतनलाल	बीकानेर
73.	अशोक कुमार बैरवा	जयपुर
74.	मुकेश खन्ना	जयपुर
75.	संतोष देवी रावत	राजसमंद
76.	अमृत कंवर	कोटपुतली, बहरोड़
77.	मनीषा कुमारी	दौसा
78.	तेजराम	धौलपुर
79.	लक्ष्मी देवी	उदयपुर
80.	रामजस देवी जागेटिया	भीलवाड़ा
81.	संजय कुमार शर्मा	झुंझुनूं
82.	अभय कुमार वैद	जयपुर
83.	छोटू	धौलपुर
84.	गंगा सहाय	दौसा
85.	मनोहर शर्मा	अजमेर

वित्तीय दान दाताओं की सूची (अप्रैल से जून, 2026)

1.	श्री बाल किशन जुत्शी	50000
2.	डॉ. लक्की जैन (यू.एस.ए.)	100000
3.	श्री राम शरण ताम्बी	10000
	कुल	160000

दान में प्राप्त कॉर्निया माह अप्रैल से जून 2026

माह	कॉर्निया संग्रहण	कॉर्निया प्रत्यारोपण	प्रत्यारोपण उपयोगिता दर
अप्रैल 2026	174	153	88 प्रतिशत
मई 2026	191	134	70 प्रतिशत
जून 2026	166	138	83 प्रतिशत
कुल संख्या	531	425	80 प्रतिशत

पत्रिका का मुख पृष्ठ : श्रीमती उमा शर्मा, सेवानिवृत व्याख्याता (ड्राईंग) द्वारा तैयार किया गया है।

नेत्रदान का संकल्प करना हुआ अब आसान

- अपने मोबाईल से इस नम्बर पर मिस्डकॉल करें।

7375 855 855

- एसएमएस प्राप्त होने पर वेबसाइट लिंक को क्लिक कर संकल्प पत्र भरें।
- उसी पर अपना प्रमाण पत्र प्राप्त करें।

SCAN & PAY

BHIM SBI Pay

We are looking forward to generous contributions from Organisation, Individuals for this Noble Cause. Bank Particulars for Donations through RTGS/NEFT are as follows :

Bank Name	: State Bank of India
A/c No.	: 38700274930
Branch	: Malviya Nagar Branch, Jaipur, India
IFSC Code	: SBIN0006912.

Donation by Cheque/Draft to be made in the name of "Eye Bank Society of Rajasthan, Jaipur"

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूंगरी रोड, जयपुर – 302 004
फोन : 0141-260 4117, 8559900955, 98292 14013 E-mail : ebsr_jp@hotmail.com • website : www.ebsr.in

For Eye Donation Call Toll Free No. - 18002020388

JAIPUR • UDAIPUR • JODHPUR • AJMER • KOTA • BHILWARA • PALI • ALWAR • BUNDI • BIKANER • SHRI GANGANAGAR • BHARATPUR • CHURU

स्वत्वाधिकारी आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक, अशोक भण्डारी द्वारा पॉपुलर प्रिन्टर्स, जयपुर एवं आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूँगरी रोड, जयपुर – 302004 द्वारा प्रकाशित
सम्पादक : उषा बापना, सह–सम्पादक : गोविन्द गुरबानी

Website : www.ebsr.in Face book page : fb/eyebanksocietyofraj Youtube : Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR)